दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 यूनिकोड यहां पत्नी-बच्चों के कत्ल के बाद सुसाइड

5 गोरखपुर में सीएम योगी ने बच्चों को किया दुलार

8 बोले- मेरे लिए सबसे आसान विकेट था विराट, फैंस के रिएक्शंस ने उड़ा दिए पूर्व तेज गेंदबाज के होश

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 20 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 11 दिसम्बर, 2023

आज से बढ़ सकती है ठंड

पश्चिमी विक्षोभ का दिखेगा असर

11 दिसंबर को एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी के हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। जिसके चलते सोमवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस और गिरावट के आसार है।

गोरखपुर। ठंड का सितम बढ़ने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ उत्तर–पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, जिसके बाद ठंड और बढ़ जाएगी। रविवार को न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। जिससे रात में काफी गलन महसूस हुई। वहीं, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी से हवा में नमी से पूरे दिन ठंड का अहसास होता रहा।

रविवार को करीब 13 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। इस वजह से ठंड का ज्यादा अहसास हुआ। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और 13 किलोमीटर की रफ्तार से चली हवा की वजह से गलन बनी रही। रविवार को अधिकतम तापमान 25.1 व न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शनिवार को न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। 24 घंटे में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट से रात और सुबह तक लोग ठंड और गलन महसूस करते रहे। इसकी वजह से अधिकांश लोग गर्म कपड़ों में नजर आए। ऊनी कपड़ों के बाजारों में भी चहल पहल बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, 11 दिसंबर को एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी के हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। जिसके चलते सोमवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस और गिरावट के आसार है। दिन में आकाश साफ रहेगा लेकिन हवा में नमी के चलते ठंड का अहसास होता रहेगा।

11 दिसंबर को फिर बदलेगा मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक, सात दिसंबर से 10 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन फिर 11 दिसंबर से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम बदलेगा।

सामान्य रहा मौसम, कोई बड़ा बदलाव नहीं

मौसम प्रदेश में सामान्य रहा। एक या दो स्थानों पर मध्यम व हल्का कोहरा छाया रहा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी कहीं–कहीं हल्का कोहरा रहा। अधिकतम तापमान वाराणसी में 30 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस बरेली में दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार के बाद शुक्रवार को भी तापमान में नरमी आ सकती है। 11 व 12 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान के लुढ़ककर 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। पांच दिन पहले बूंदाबांदी के बाद आसमान साफ होने पर सूरज की तेज किरणों ने तपिश बढ़ा दी थी। जिसके चलते अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को दिन में आसमान में बादल छाए रहने से अधिकतम तापमान में गिरावट आई और तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हालांकि यह तापमान भी सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहल न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी दिन में बादल छाए रहने की संभावना जताई है। इसकी वजह से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में कमी आ सकती है। साथ ही मौसम विभाग ने 11 व 12 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान के गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस तक होने तक पूर्वानुमान जताया है।

बदल रहा है गोरखपुर

जनवरी तक बनकर तैयार हो जाएगा मोहद्दीपुर-पैडलेगंज लरग रोड

गोरखपुर। जीडीए वीसी आनंद वर्द्धन ने कहा कि पैड़लेगंज से मोहद्दीपुर तक रामगढ़ताल के किनारे रिंग रोड का निर्माण जनवरी तक पूरा करा लिया जाएगा। कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, सहारा इस्टेट के बगल की रिंग रोड को मार्च तक पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में रामगढ़ताल के किनारे मोहद्दीपुर से पैड़लेगंज तक रिंग रोड जनवरी 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। सड़क को साढ़े सात मीटर की चौड़ाई में टू लेन बनाया जा रहा है। जीडीए ने दूसरे चरण में सहारा इस्टेट के सामने रिंग रोड को मार्च तक पूरा कराने का लक्ष्य रखा है। रिंग रोड के बन जाने से लोगों मार्निंग वॉक के लिए एक बेहतर स्थान तो मिलेगी ही, कुनराघाट से मोहद्दीपुर तक जाम झेलने वाले लोग वैकल्पिक रास्ते से फर्राटा भरते चले जायेगें

जिला कोषागार का मामलाः यौन उत्पीड़न की जांच पूरी, बढ़ सकती हैं क्लर्क की मुश्किलें

गोरखपुर। महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि पिछले एक साल से लिपिक की गलत निगाह उन पर थी। जब भी फाइल लेकर उनके पास जातीं तो वह गलत इशारे करता था। कार्यालय में जब भी कहीं अकेले में होती थीं, तो फब्तियां कसता था और अश्लील शब्दों का प्रयोग करके कार्यालय के बाहर अकेले मिलने के लिए भी कहता था। जिला कोषागार के एक क्लर्क पर उसके ही कार्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारी की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच पांच सदस्यीय वाह्य परिवाद कमेटी ने पूरी कर ली है। रिपोर्ट डीएम के मार्फत कोषागार के निदेशक को भेजी गई है। सूत्रों के मुताबिक, महिला कर्मचारी के आरोपों की पुष्टि हुई है। उधर, आरोपी क्लर्क 30 अक्तूबर को सेवानिवृत्त भी हो गया। ऐसे में अब उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

महिला कर्मचारी का आरोप है कि क्लर्क ने गंदे इशारे किए और फब्तियां कसीं, फिर हाथ पकड़ लिया। मना करने पर निलंबित कराने की धमकी दी। 23 जून को उन्हें निलंबन का आदेश भी पकड़ा दिया गया। महिला कर्मचारी का कहना है कि उसके पति पहले कोषागार में कार्यरत थे। वर्ष 2007 में उनका निधन हो गया और उनकी जगह उन्हें नौकरी मिल गई।

महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि पिछले एक साल से लिपिक की गलत निगाह उन पर थी। जब भी फाइल लेकर उनके पास जातीं तो वह गलत इशारे करता था। कार्यालय में जब भी कहीं अकेले में होती थीं, तो फब्तियां कसता था और अश्लील शब्दों का प्रयोग करके कार्यालय के बाहर अकेले मिलने के लिए भी कहता था। जबरदस्ती और धक्का–मुक्की की कोशिश करता था। कई बार तो हाथ भी पकड़ लिया।

महिला कर्मचारी का आरोप है कि क्लर्क ने मना करने पर अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहने की धमकी दी थी। कुछ दिन पहले कहा था–अंतिम बार कह रहा हूं कि तुम्हारी कुछ तस्वीरें मेरे पास हैं। अगर मेरी बात नहीं मानोगी तो तुमको कार्यालय से निलंबित करा दूंगा। पीड़िता ने बताया कि 23 जून को जब वह कार्यालय पहुंचीं तो रिश्वतखोरी के आरोप में बिना किसी शिकायत और बिना पक्ष सुने ही उन्हें निलंबन का आदेश थमा दिया गया है। महिला कर्मी की शिकायत पर डीएम ने मुख्य कोषाधिकारी को जांच के निर्देश देते हुए पांच सदस्यीय परिवाद समिति का गठन कर दिया। इस समिति ने पीड़ित और आरोपी को तीन बार बुलाकर उनका पक्ष लिया और फिर दोनों को आमने–सामने भी बैठाकर पूछताछ भी की। इसमें आरोपों की पुष्टि के सबूत भी मिले हैं। सूत्रों की माने तो रिपोर्ट आने के बाद अब आरोपी क्लर्क की मुश्किलें बढ़ सकती है।

इन्हें मिली थी जांच

पांच सदस्यीय परिवाद समिति में पारिवारिक न्यायालय की परामर्शदाता संगीता प्रकाश अध्यक्ष और जिला प्रोबेशन अधिकारी पदेन सचिव के अलावा सहजनवां की बाल विकास परियोजना अधिकारी सुमन गौतम, एशियन सहयोगी संस्था इंडिया की सचिव उषा दास और सामाजिक कार्यकर्ता मुमताज खान शामिल हैं। मुख्य कोषाधिकारी डॉ राजवीर वर्मा ने कहा कि महिला कर्मचारी ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाकर शिकायत की थी। डीएम के निर्देश पर एक कमेटी गठित की गई। समिति ने जांच कर अपनी रिपोर्ट दे दी है। रिपोर्ट को निदेशक, कोषागार के पास भेजा गया है, आगे की कार्रवाई निदेशक स्तर से की जाएगी।

सम्पादकीय

किताब के बहाने डॉ कफील को घेरने की कोशिश

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज अस्पताल में आक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डा कफील खान एक बार फिर सुख़िर्यों में हैं

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डॉ कफील खान एक बार फिर सुख़िर्यों में हैं। उनके और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उस किताब को लेकर मामला दर्ज किया गया है, जो डॉ कफील ने दो साल पहले 'द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी : आडॉक्टर्स मेमॉयर ऑफ़ आडेडली मेडिकल क्राइसिस' शीर्षक से लिखी और प्रकाशित करवाई थी। लखनऊ के एक व्यापारी मनीष शुक्ला ने पुलिस को की गई अपनी शिकायत में कहा है कि इस किताब के जरिए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने और केंद्र के खिलाफ बातें कही गई हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया है, कि लोगों को सरकार के ख़िलाफ़ भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए डॉ. कफ़ील ख़ान द्वारा लिखी गई किताब बांटी जा रही है।'

भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज शिकायत के अनुसार, डॉ. कफील खान की किताब उनके समर्थकों को 'धन जुटाने और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिये बेची जा रही है।'

एक खबरिया वेबसाइट के मुताबिक मनीष शुक्ला ने बताया है कि उसने चार–पांच लोगों को फोन पर इस साज़िश के बारे में चर्चा करते हुए सुना। जबकि दूसरी वेबसाइट ने शिकायत का संदर्भ देते हुए लिखा है कि मनीष शुक्ला 1 दिसंबर को किसी काम से माताजी की बगिया गए थे। वहां गुमटी के पीछे चार–पांच लोग बातचीत कर रहे थे। वे सभी राज्य सरकार, उनके मंत्रियों व वरिष्ठ अफसरों को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। वे कह रहे थे कि 'डॉ कफील ने गुप्त रूप से एक किताब छपवाई है, उसे प्रदेश भर में बांटा जा रहा है। वे लोग को किताब लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय विशेष के हर शख्स तक पहुंचाने की बात कर रहे थे और कह रहे थे कि किसी भी कीमत पर सरकार को उखाड़ फेंकना है, चाहे इसके लिए दंगा ही क्यों न करवाना पड़े।' शुक्ला ने कहा कि साजिश करने वाले अपनी बातें सुने जाने की भनक लगते ही मौके से भाग खड़े हुए। इस प्रकरण पर आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर– जो खुद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं, ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए यह एफआईआर दर्ज की गई है और कई ऐसी धाराएं लगाई गई है जो स्वयं मामला दर्ज करने के लिए दी गई तहरीर से ही नहीं बनती हैं। इनमें कूटरचना से जुड़ी धाराएं, 465, 467, 471 और किसी पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त करने से जुड़ी धारा 295 शामिल है।

श्री ठाकुर ने कहा कि किताब को चोरी–छिपे छपवाये जाने का आरोप भी पूरी तरह गलत दिखाई पड़ता है क्योंकि वह तो ऑनलाइन उपलब्ध है। ऐसा मालूम होता है कि सत्ताधारी पार्टी के विरोध में पुस्तक लिखने के कारण डॉ. कफील के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कृष्णा नगर थाने के एसएचओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी कहा कि अभी तक किताब में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। आज़ाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और एसएचओ– दोनों के कथन से साफ़ है कि डॉ. कफील को फिर बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। वेबसाइट 'द क्विंट' से बातचीत में डॉ कफील खान ने कहा भी कि 'आप देखिए, चुनाव आ रहे हैं और एक पंचिंग बैग की ज़रूरत है। वे ज़ाहिर तौर पर फिल्म के लिए शाहरुख़ खान को तो नहीं छू सकते, लेकिन मेरे ख़िलाफ़ तो कार्रवाई कर सकते हैं।'

मालूम हो कि डॉ. कफील ने कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की फ़िल्म जवान का एक हिस्सा अपनी किताब से प्रेरित बताया था और उसके लिये शाहरुख को धन्यवाद भी दिया था।

ये पहली बार नहीं है जब सरकार से असहमत या उसके विरोधी किसी व्यक्ति के ख़िलाफ़ केवल शक या सुनी सुनाई बातों की बिना पर कार्रवाई कर दी गई हो। खुद डॉ कफील अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में महीनों जेल में रहे और फिर अदालत ने बाइज्ज़त उनकी रिहाई का हुक्म दिया। अभी भी कई मामले उनके ख़िलाफ़ चल रहे हैं। सवाल ये है कि उनकी किताब जब दो साल से ऑनलाइन ही सही, बाज़ार में है और ऐसी है कि उससे किसी सरकार को ख़तरा पैदा हो सकता है तो इतने दिन प्रशासन और पुलिस चुप क्यों बैठे रहे?

जिस देश में ज़रा ज़रा सी बात पर लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले फ़ौरन कायम हो जाते हैं, सरकार के ख़िलाफ़ बोलने वालों को नक्सली या आतंकवादी बता दिया जाता है, क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे देश की जीत पर लोग बिना देर किये गाली–गलौज करने लगते हैं और उस देश की टीम के कप्तान की पत्नी और बेटी से बलात्कार की धमकी देने लगते हैं, वहां एक 'ख़तरनाक' किताब को दो साल तक क्यों बर्दाश्त किया जाता रहा? क्या शिकायत करने वाले ने उस किताब को खुद पढ़ा भी है या महज खुसुर–पुसुर सुनकर उसने किताब के बारे में धारणा बना ली? या फिर शुक्ला जी को शरलक होम्स समझकर उनकी बात को सच मान लिया गया? कहीं ऐसा तो नहीं कि डॉ. कफील को ताउम्र सलाखों के पीछे न रख पाने की खुन्नस उनकी किताब के बहाने निकाली जा रही हो ?

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं

चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित

कड़े दल–बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति–भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा ने तीन और कांग्रेस ने एक राज्य में जीत हासिल की है। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराकर जीत हासिल की है। हालांकि भाजपा ने उत्तर भारत में खुद को मजबूत कर लिया है, दक्षिण में उसे अभी भी पैर जमाना बाकी है। भाजपा की सफल चुनावी रणनीति ने उसके समर्थकों को एकजुट किया और आंतरिक संघर्षों को कम किया। संसद सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करने से पार्टी को तीन प्रमुख राज्यों में आंतरिक तोड़फोड़ को कम करने में मदद मिली। अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस को तेलंगाना में बढ़त मिली। पार्टी को कई नेताओं के दलबदल से भी बहुत फायदा हुआ, जो इसे एक व्यवहार्य दावेदार के रूप में देखने लगे, खासकर कर्नाटक में इसकी सफलता के बाद। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि यह सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के लिए एक गंभीर चुनौती है, तो मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित हो गये। भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। दोनों पार्टियों को यह तय करना होगा कि स्थापित नेताओं को जारी रखना है या नये नेतृत्व की तलाश करनी है। कांग्रेस को तय करना होगा कि रेवंत रेड्डी को नियुक्त किया जाये या किसी नये चेहरे को। भाजपा के पास कई संभावित उम्मीदवार हैं, इसलिए मुख्य सवाल यह है कि नये नियमों को कैसे लागू किया जाये। भाजपा वसुन्धरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे पुराने नेताओं को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के पक्ष में है, जो अपनी पारी खेल चुके हैं। नये उम्मीदवारों का चयन करते समय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक उनकी जाति है। जातियों का विविध मिश्रण आवश्यक है, इसे राजपूतों या अगड़ी जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। साथ ही उनके प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्यों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार चाहते हैं। हैट्रिक लगाने के लिए यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश पर नजर डालते हैं। सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक, शिवराज सिंह चौहान पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने जनता से उनकी राय भी मांगी कि क्या उन्हें निर्वाचित होने पर फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए खड़ा होना चाहिए। मध्य प्रदेश में शीर्ष पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल शामिल हैं, जो कई विकल्प प्रदान करते हैं। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कमल नाथ सरकार को गिराने में मदद करने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में हैं। राजस्थान में प्रमुख उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे होंगी। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री अर्जुन मेघवाल और महंत बालकनाथ भी दौड़ में हैं। राजवर्धन राठौड़ राजपूत हैं और कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। सतीश पूनिया ने राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं जब पार्टी सत्ता से बाहर थी। 2023 की शुरुआत में, ब्राह्मण समुदाय से आने वाले दो बार के सांसद सी.पी. जोशी ने पूनिया की जगह राज्य भाजपा अध्यक्ष पद संभाला। गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, नई पीढ़ी के भाजपा नेता, राजस्थान में मुख्य मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हैं। छत्तीसगढ़ में भी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सबसे आगे हैं। 2018 तक 15 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पर शासन करने वाले बीएएमएस डॉक्टर रमन सिंह राज्य में पार्टी का सबसे पहचाना चेहरा हैं। 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री थे। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में उन्हें दरकिनार कर दिया गया है। विष्णुदेव साव भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनकी छवि साफ–सुथरी है वह आरएसएस परिवार से आते हैं और महत्वपूर्ण नेता बनकर उभरे हैं। भरतपुर–सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रमुख आदिवासी नेता, केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह एक और विकल्प हैं। कांग्रेस को अपनी ओर से तेलंगाना में पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक नेता चुनना होगा। बी.आर.एस. के नेता के.चंद्रशेखर राव, अन्य दलों के सदस्यों को लुभाने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस ने अपने झुंड की रक्षा करने की क्षमता खो दी है। यह गोवा, कर्नाटक और अन्य राज्यों में दिखाई दिया। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। वह मजबूत रेड्डी परिवार से हैं और उनकी कार्यशैली के लिए पार्टी के भीतर से आलोचनाओं के बावजूद उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का पूरा समर्थन प्राप्त था। उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में ए.बी.वी.पी. से शुरूआत की और शीर्ष पर चले गये।

आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जगह पर भव्य राम मंदिर बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दशकों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बना लेना चाहती है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें कितनी तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उपस्थित नहीं हैं। लेकिन आसपास नजर उठाकर देख लीजिए, गैरबराबरी के शिकार लोगों की तकलीफें उसी पीड़ा को अभिव्यक्त करेंगी, जो डॉ.अंबेडकर और पूरी संविधान सभा के लोगों को हुई होगी। छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ–साथ संविधान को भी तहस–नहस किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गौरवशाली मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़ियां शायद इस बात को समझेंगी कि संवैधानिक मूल्यों को सहेज कर न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है।

अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कही जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही ऐलान कर दिया था कि मैं ही अगली बार भी झंडा फहराने आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, फिर भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुख्ता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनादी कर दी जाए।

दरअसल अब चुनाव में प्रचार और रणनीतियां जमीनी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी हैं। यह हिटलर के सहयोगी गोएबल्स का तरीका है कि किसी झूठ को सौ बार दोहराओ तो वो सच लगने लगता है। इस समय देश में भी झूठ और सच सब आपस में गड्ड–मड्ड हो गए हैं। फिलहाल सच यही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस का शोर होने के बावजूद भाजपा जीत गई है। बताया जा रहा है कि इस जीत पर अंदरखाने भाजपा के लोगों को भी यकीन नहीं हो रहा है। मध्यप्रदेश में पिछली बार भी कांग्रेस की जीत हुई थी और उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण सत्ता हाथ से निकल गई थी।

कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस सत्ता चोरी का जवाब जनता उसके हक में देगी। खुद श्री सिंधिया के साथ गए कई पूर्व कांग्रेसियों ने घरवापसी कर ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेने से बचते रहे। जब उम्मीदवार खड़े करने की बारी आई तो भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा। इस बीच आदिवासी पेशाब कांड, महाकाल में मूर्तियों का गिरना, तरह–तरह के घोटाले और धांधलियों के कारण भाजपा की छवि खराब हुई।

इन सबसे यही समझ आ रहा था कि जीत कांग्रेस को ही मिलने वाली है। लेकिन कांग्रेस की यह उम्मीद झूठी साबित हुई। या तो कांग्रेस अतिआत्मविश्वास और कमलनाथ पर यकीन करने का शिकार हो गई, या फिर जैसा आरोप लगाया जा रहा है ईवीएम की गड़बड़ी के कारण उसे हार मिली। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ईवीएम में धांधलियों की शिकायत कर रहे हैं। लेकिन एक सच ये भी है कि मध्यप्रदेश में नरोत्तम मिश्रा जैसे नेता भी हार गए हैं। तो क्या ईवीएम की गड़बड़ी भी सोच–समझकर की गई है। ईवीएम को लेकर शिकायतें एक साल की बात नहीं है, हर साल, हर चुनाव में ईवीएम पर कई सवाल उठते हैं। चुनाव आयोग इस पर अडिग है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती।

भाजपा भी ईवीएम को लेकर सकारात्मक है, लेकिन कांग्रेस को शिकायत है और उसे लोकतंत्र पर ईवीएम से खतरा दिखाई दे रहा है तो फिर इस पर केवल रोना रोने से बात नहीं बनेगी। कांग्रेस को जमीन पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना चाहिए। और इसका भी जिम्मा राहुल गांधी पर न छोड़कर उन नेताओं को सामने आना चाहिए, जिन्होंने सालों–साल कांग्रेस की सत्ता का सुख भोगा है। अन्ना हजारे से और कोई सबक कांग्रेस ने भले न लिया हो, शहीद होने की मुनादी करते हुए आंदोलन खड़ा करने का सबक तो ले ही लेना चाहिए।

अन्ना तो गांधी के नाम को भाजपा के हक में इस्तेमाल कर गए और कांग्रेसी हाथ मलते रह गए। ईवीएम की जगह मतपत्रों से चुनाव करवाने की मुहिम छेड़ते हुए अगर अभी से आमरण अनशन पर बड़े कांग्रेस नेता बैठ जाएं, तो क्या इसका असर देश भर में नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने तो 4 हजार किमी कदमों से नाप लिए, क्या दूसरे कांग्रेस नेता आमरण अनशन करने का कष्ट नहीं उठा सकते। अगर केवल समय बिताने के लिए शिकायतें करनी हैं, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर वाकई सूरत बदलनी है, आसमान में सूराख करना है तो पत्थर तबियत से उछालना ही होगा। मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी भाजपा को बहुत हल्के तरह से कांग्रेस लेती रही। दिल बहलाने को अब आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि कांग्रेस को मिजोरम छोड़ बाकी चारों राज्य मिलाकर 4,90,77,907 और भाजपा को 4,81,33,463 वोट मिले।

लेकिन जब खेल सीटों की गिनती का है, तो वहां वोटों की गिनती करने से क्या फायदा। कई बार बुद्धिमान विद्यार्थी सब कुछ जानते हुए भी सही तरह से पांच सवाल हल नहीं करता है और वहीं सामान्य बुद्धि लगाकर कोई औसत छात्र उन्हीं पांच महत्वपूर्ण सवालों पर पूरा ध्यान देकर सही जवाब लिखता है और प्रथम आ जाता है। अब आप शिकायत करते रहिए कि ये उससे होशियार है, लेकिन जहां अंकों की लड़ाई है, वहां अंक ही ज्यादा लाने होंगे, बुद्धि दिखाने से कुछ नहीं होगा। तो मौजूदा राजनीति का एक कड़वा सच यही है कि कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास, गांधी, नेहरू की विरासत, राहुल गांधी की मेहनत, उनकी जनपक्षधरता सबका लाभ होने के बावजूद जनता की नब्ज पकड़ने वाले मुद्दों को नहीं समझ पाती और भाजपा उन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनाव में अधिक सीटें ले आती है। अपनी बुद्धि के कारण प्रथम आने का मौका छात्र ने गंवा दिया और अब भी सही सवाल पर फोकस नहीं कर पा रही है।

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। राहुल गांधी जिस सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, उसे कांग्रेस के सभी लोगों को एक साथ पूरे देश में प्रचारित–प्रसारित करने की जरूरत है। राहुल गांधी जिस अहंकार को छोड़ने की सलाह श्री मोदी को देते आए हैं, उस सलाह पर कांग्रेस के भी कई नेताओं को अमल करने की जरूरत है।

डाक्टर ने आधा घंटे में परिवार को मार डाला, क्रूरता देख कांप उठे चिकित्सक

यूनिकोड यहां पत्नी-बच्चों के कत्ल के बाद सुसाइड

रायबरेली। रायबरेली में पत्नी और बच्चों की हत्या के बाद डॉक्टर ने खुदकुशी की थी। खुदकुशी से पहले डॉक्टर ने आधा घंटे के अंदर ही पूरे परिवार का काम तमाम कर दिया था। घटना से पहले चारों ने कोई नशीला पदार्थ खाया नहीं था। इसके लिए बिसरा सुरक्षित किया गया।

रायबरेली में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) परिसर स्थित अस्पताल में डीएमओ के पद पर तैनात नेत्र सर्जन डॉ. अरुण सिंह (45) ने पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने के बाद खुदकुशी की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बुधवार को खुलासा हुआ कि चिकित्सक ने बड़ी बेरहमी से पत्नी व बच्चों का कत्ल किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, आधे घंटे के अंदर ही पूरे परिवार का काम तमाम हुआ था। पत्नी को आठ, बेटी को सात, जबकि चार वर्षीय आरव को सिर पर पांच चोटें आई थीं। हत्या से पहले पत्नी, दो बच्चों और चिकित्सक ने कोई नशीला पदार्थ तो नहीं खाया था, इसके लिए चारों का बिसरा सुरक्षित किया गया है। बिसरा जांच के लिए विधिविज्ञान प्रयोगशाला लखनऊ भेजा जाएगा।

आरेडिका में तैनात डॉ. अरुण सिंह का शव मंगलवार को उनके सरकारी आवास में फंदे से लटकता मिला था। उनकी पत्नी अर्चना, बेटी अदीवा (12), आरव (4) के शव बेड पर पड़े मिले थे। जिला मुख्यालय पर डॉक्टरों के तीन सदस्यीय पैनल ने चारों शवों का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई गई। देर शाम पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी आ गई। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों की मानें तो डॉक्टर की मौत की वजह खुदकुशी आई है, जबकि उसकी पत्नी, दो बच्चों की मौत की वजह सिर में गंभीर चोट लगने से हुई है। पत्नी व बच्चों पर एक के बाद एक धारदार हथियार (हथौड़ा) से हमला किया गया था।

यही वजह है कि पत्नी के सिर में आठ, बेटी के सात, बेटे के सिर पर पांच गहरी चोटें पाई गईं। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि डॉक्टर ने पत्नी, दो बच्चों की हत्या करने के बाद स्वयं आत्महत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है।

24 घंटे के अंदर हुई दिल दहलाने वाली घटना

बताया जा रहा है कि डॉक्टर और उसकी पत्नी व दो बच्चों की मौत 24 घंटे पहले हुई थी। ऐसे में आशंका व्यक्त की जा रही है कि सोमवार को घटना को अंजाम दिया गया। रविवार की रात नौ बजे महिला के परिजनों ने चिकित्सक से बातचीत की थी और उनसे प्रयागराज में होने वाली सगाई कार्यक्रम में भाग लेने की बात कही थी। इसके बाद से चिकित्सक का फोन नहीं उठा था।

किसी को बचने का नहीं मिल पाया मौका

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि भी हुई है कि चिकित्सक की पत्नी और उसके दो बच्चों को बचने का मौका नहीं था। यह तभी संभव है, जब उन्हें बेहोश किया जाए। बेड पर जो जहां था, वह वहां पड़ा था। ऐसा इसलिए कि जो सीधा लेटा था, वह सीधा ही लेटा था।

यदि पत्नी या फिर बच्चे होश में होते तो वह भागकर बचने और शोरगुल मचाकर लोगों को मदद के लिए बुलाते, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। इससे जाहिर होता है कि मारने से पहले पत्नी और बच्चों को कोई नशीला पदार्थ खिलाया गया था।

सभी पहलुओं की हो रही जांच, लहसक प्रवृत्ति के थे चिकित्सक

आरेडिका में डॉक्टर और उनकी पत्नी, दो बच्चों की मौत की तहकीकात करने के लिए आईजी लखनऊ रेंज तरुण गाबा बुधवार को घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से जांच की। साथ ही पुलिस अफसरों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में आईजी ने कहा कि पुलिस घटना के सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पता चला है कि डाक्टर कुछ हिंसक प्रवृत्ति के थे। पुलिस सभी पहलुओं पर छानबीन कर रही है।

13 दिसंबर से पांच ग्रहों की बदलेगी चाल, बंद हो जाएंगे मांगलिक कार्य

गोरखपुर। पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार, मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्थी 16 दिसंबर को रात्रि में एक बजकर 26 मिनट पर सूर्य धनु राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही खरमास प्रारंभ हो जाएगा और यह पौष शुक्ल चतुर्थी दिन सोमवार 15 जनवरी की सुबह नौ बजकर 13 मिनट तक रहेगा। इस महीने की 13 तारीख से सूर्य के साथ पांच ग्रहों की चाल बदलेगी। ग्रहों की चाल में बदलाव के कारण किसी के कॅरिअर में बदलाव होगा तो किसी का कारोबार चमकेगा। ग्रहों के राजा सूर्य, धन के दाता शुक्र, ग्रहों के राजकुमार बुध, गुरु बृहस्पति और ग्रहों के सेनापति मंगल का राशि परिवर्तन दिसंबर में होने जा रहा है। इसका सीधा प्रभाव 12 राशियों पर नजर आएगा। सबसे पहले बुध ग्रह वक्री होंगे। इसके बाद सूर्य, मंगल, शुक्र और बुध ग्रह का राशि परिवर्तन होगा। इसके अलावा गुरु अपनी स्वराशि यानी मेष राशि में रहते हुए मार्गी होंगे।

ज्योतिषाचार्य मनीष मोहन ने बताया कि ग्रहों के राजकुमार बुध 13 दिसंबर को दोपहर 12:38 बजे वक्री हो जाएंगे और दो जनवरी 2024 तक उल्टी चाल चलेंगे। इसके बाद बुध मार्गी होंगे। बुध की वक्री चाल वृषभ, मिथुन और कुंभ राशि वालों के लिए फलदायक व शुभ होगी। सूर्य 16 दिसंबर की शाम को 4:09 बजे गोचर करेंगे। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ ही धनु संक्रांति की शुरुआत होगी और खरमास लग जाएगा। इसके साथ ही मांगलिक बंद हो जाएंगे।

मेष और कन्या राशि के लिए फलदायी

ज्योतिर्विद पंडित नरेंद्र उपाध्याय ने बताया कि शुक्र का गोचर वृश्चिक राशि में होगा और वह 25 दिसंबर को सुबह 6:55 बजे राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र का राशि परिवर्तन कर्क, सिंह, मकर और कुंभ राशि वालों के लिए शुभ होगा। नौकरी और व्यापार में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। ग्रहों के सेनापति मंगल 28 दिसंबर की सुबह 12:36 बजे धनु राशि में गोचर करेंगे।

धनु राशि में सूर्य और मंगल की युति कई घटनाओं का कारण बन सकती हैं। ये युति मेष और कन्या राशि वालों के लिए फलदायी होगा। 28 दिसंबर को बुध का गोचर वृश्चिक राशि में होगा। बुध सुबह 10:39 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। बुध का यह गोचर वृषभ और धनु राशि वालों के लिए उन्नतिकारक सिद्ध होगा।

देवगुरु बृहस्पति 31 दिसंबर को सुबह 8:09 बजे मेष राशि में मार्गी होंगे। गुरु का मार्गी होना मेष, मिथुन और सिंह राशि वालों के लिए जीवन में सुख व समृद्धि लाएगा। इन राशि वालों को नौकरी में प्रमोशन का योग बनेगा।

16 से लगेगा खरमास, 15 जनवरी को होगा समाप्त

पंडित शरद चंद्र मिश्र के अनुसार, मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्थी 16 दिसंबर को रात्रि में एक बजकर 26 मिनट पर सूर्य धनु राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही खरमास प्रारंभ हो जाएगा और यह पौष शुक्ल चतुर्थी दिन सोमवार 15 जनवरी की सुबह नौ बजकर 13 मिनट तक रहेगा। सूर्य का मकर राशि में प्रवेश 15 जनवरी को हो जाएगा। इसी दिन मकर संक्रांति मनाई जाएगी और मांगलिक कार्यों की भी शुरुआत हो जाएगी।

युवती ने लगाई गुहार : बोली- साहब! मेरी मां ने मुझे हरियाणा में चार लाख में बेच दिया है, बचा लीजिए

गोरखपुर। आरोप है कि हरियाणा में युवक ने मारपीट शुरू कर दी और गलत काम करने का दबाव बनाने लगा। जानकारी होने पर वह किसी तरह से आरोपियों के चंगुल से बचकर बस से गोरखपुर आ गई। युवती ने प्रार्थनापत्र देकर खुद को बचाने का गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। चिलुआताल इलाके की 18 साल की युवती को शादी के नाम पर चार लाख रुपये में हरियाणा में बेचने का मामला सामने आया है।

वहां शादी के बाद युवती के साथ मारपीट की जाने लगी तो वह भागकर गोरखपुर पहुंची। बुधवार को पुलिस ऑफिस पहुंचकर युवती ने मां और उसकी सहेली पर आरोप लगाते हुए प्रार्थनापत्र दिया है। उसका कहना है कि इसके पहले मां की सहेली ने दो और युवतियों को हरियाणा में बेच दिया था। उसकी भी शादी चार लाख रुपये की लालच में करा दी गई थी। आरोप है कि हरियाणा में युवक ने मारपीट शुरू कर दी और गलत काम करने का

दबाव बनाने लगा। जानकारी होने पर वह किसी तरह से आरोपियों के चंगुल से बचकर बस से गोरखपुर आ गई। युवती ने प्रार्थनापत्र देकर खुद को बचाने का गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

जनसुनवाई कर रहे एसपी गोरखनाथ मंदिर ने पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, युवती ने प्रार्थनापत्र में लिखा है कि वह मां के साथ चिलुआताल इलाके के महेसरा में आसरा आवास में रहती है। बगल में ही रहने वाली एक महिला उनकी गरीबी का फायदा उठाकर लड़कियों की हरियाणा में शादी कराती है। छह बहनों में से दो की शादी हो चुकी है।

मां ने उसी के जरिये उसकी भी शादी कर दी। चार लाख रुपये लेकर उसका सौदा कर दिया गया। शादी करके वह हरियाणा चली गई। बताया कि वहां पर जाने के बाद पता चला कि उसे बेचा गया है। उसे रोजाना पीटा जाता था। मां से संपर्क करने की कोशिश की तो बात नहीं हो पाई। उत्पीड़न से आजिज आकर किसी तरह से घर से निकली और बस पकड़ कर गोरखपुर आ आ गई। यहां आने पर यकीन हो गया है कि इसी तरह से कई लड़कियों को शादी के नाम पर बेचा गया है।

22 नवंबर को पकड़ा गया था ऐसा ही मामला

22 नवंबर को बेतियाहाता चौराहे पर कार सवार युवती के शोर मचाने पर लोगों ने गाड़ी रोक ली थी। उसमें सवार युवती ने बताया कि कार सवार उसका अपहरण करके ले जा रहे हैं।

पुलिस ने कार सवार बरेली जिले के सिरौली थाना क्षेत्र के शिवपुरी निवासी प्रशांतदीप, उसी जिले के मुगलपुरा के राजकुमार, उसके फूफा धर्मपाल और कार चालक अमरोहा कोतवाली क्षेत्र के कैलसा निवासी सोनू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पता चला कि उसे शादी के लिए बरेली में बेचा गया था।

पुलिस ने गुलरिहा थाने में इस मामले में केस दर्ज कर दो आरोपियों को जेल भेजा और अन्य की तलाश अभी जारी है। पुलिस अभी इन आरोपियों की तलाश में जुटी है कि फिर इस तरह का मामला सामने आया है। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने कहा कि पुलिस को जांच का आदेश दिया गया है। जांच व साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई पुलिस करेगी।

आधी रात को साथियों संग घर में घुसा सब इंस्पेक्टर महिला के साथ किया घिनौना कांड, जाते वक्त दी ये धमकी

प्रयागराज। प्रयागराज के नवाबगंज थाना इलाके के एक गांव में रहने वाली महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने दरोगा पर घर में घुसकर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। डीसीपी कानून व्यवस्था ने जांच के आदेश दिए हैं। प्रयागराज के नवाबगंज थाना इलाके के सिंगहोरिया गांव में रहने वाली एक महिला ने दरोगा और उसके साथियों पर घर में घुसकर अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को पीड़ित महिला ने अपने परिजनों के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय पर पहुंचकर जन सुनवाई कर रहे डीसीपी कानून व्यवस्था संतोष कुमार मीना से शिकायत की।

उन्होंने सोरांव एसीपी को जांच करने का आदेश दिया है।

जन सुनवाई में पीड़िता ने डीसीपी संतोष कुमार मीना को बताया कि मात्र बुधवार रात करीब दो बजे दरोगा गौरव तिवारी सादे कपड़ों में अपने चार अन्य साथियों के साथ उसके घर पहुंचे। परिचय पूछने पर बताया कि वह पुलिस वाले हैं, जब उसने दरवाजा खोला तो वह उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अश्लील हरकत करने लगे।

महिला का आरोप है कि दरोगा नशे की हालत में थे। शोर–शराबा करने पर उसके परिवार के अन्य लोग भी पहुंच गए, जब परिवार के सदस्यों ने उनको ऐसा करने से रोका, तब वह उन पर भी भड़क गए। इसके बाद दरोगा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे और उसके परिवार वालों को लात–घूंसों से मारा पीटा। शोर मचाने पर जाते वक्त दरोगा ने कहा कि राजेंद्र यादव को परेशान करना बंद ने कर दो, नहीं तो तुम सबको अंदर कर दूंगा। इस मामले में दरोगा गौरव तिवारी से जब बात की गई, तब ने उन्होंने महिला के आरोपों को झूठा बताया। दरोगा का कहना था कि वह अपने साथी सिपाहियों के साथ कोर्ट के आदेश पर महिला के घर दबिश देने के लिए गए थे।

पूर्व प्रधान की शह पर बुलाई गई पुलिस

पीड़ित महिला ने बताया कि उनके गांव के रहने वाले पूर्व प्रधान राजेंद्र यादव उनके देवर की वजह से प्रधानी का चुनाव हार गए थे। उसी को लेकर कई बार पूर्व प्रधान ने उसके घर आकर गाली–गलौज और मारपीट की थी। महिला का आरोप है कि प्रधान के कहने पर ही दरोगा और उसके साथियों ने उसके व परिवार वालों के साथ इस तरह का बर्ताव किया। डीसीपी ने इस मामले की सोरांव एसीपी को जांच करने का आदेश दिया है। जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।–***कुशलपाल सिंह, इंस्पेक्टर नवाबगंज***

आएमए के कार्यक्रम में बोले पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

चिकित्सा क्षेत्र में जीडीपी का अंश बढ़ाए सरकार

वाराणसी। आईएमए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर विनय अग्रवाल ने कहा कि मरीज को बेहतर चिकित्सा सेवा मुहैया कराना डॉक्टरों की जिम्मेदारी है। आए दिन चिकित्सकों और चिकित्सा प्रतिष्ठानों पर जिस तरह की हिंसात्मक घटनाएं हो रही है उसको लेकर आईएमए राष्ट्रीय संगठन भी गंभीर है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल शुक्रवार को काशी पहुंचे। यहां आईएमए वाराणसी के पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। आईएमए में आयोजित एक समारोह में डॉक्टर अग्रवाल ने कहा कि सरकार को चिकित्सा क्षेत्र में जीडीपी के अंश को बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। साथ ही आम मरीजों को चिकित्सा सेवा सस्ती और सुलभ मिल सके इसके लिए सरकार को और अस्पतालों को भी खोलने की जरूरत है।

आईएमए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर विनय अग्रवाल ने कहा कि मरीज को बेहतर चिकित्सा सेवा मुहैया कराना डॉक्टरों की जिम्मेदारी है। आए दिन चिकित्सकों और चिकित्सा प्रतिष्ठानों पर जिस तरह की हिंसात्मक घटनाएं हो रही है उसको लेकर आईएमए राष्ट्रीय संगठन भी गंभीर है। और सरकार से मांग करती है कि राष्ट्रीय स्तर पर इसके लिए कठोर कानून बनाने की जरूरत है। जिससे कि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लग सके। पिछले दिनों इसको लेकर राष्ट्रीय स्तर पर एक बैठक भी हुई जिसमें कठोर कानून बनाने का प्रस्ताव रखा गया। इस मांग से प्रधानमंत्री स्वास्थ्य मंत्रालय और गृह मंत्रालय को भी अवगत कराया जा चुका है।

कार्यक्रम में आईएमए बनारस शाखा के अध्यक्ष डॉ. राहुल चंद्रा नेतृत्व में पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर डॉक्टर अग्रवाल का स्वागत किया। कार्यक्रम में आईएमए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अशोक राय डॉक्टर संजय राय, डॉक्टर ओपी तिवारी, डॉक्टर अजीत सैगल, डॉक्टर आरएन सिंह,डॉ. अरविंद सिंह, डॉक्टर कार्तिकेय सिंह, डॉक्टर एमके गुप्ता,संदीप राउत,सनी आदि लोग मौजूद रहे।

सजा में स्कूल प्रशासन ने कटवाए बच्चे के बाल

मां हुई आग बबूला...जमकर काटा हंगामा

हमीरपुर। महिला इस बात से सख्त नाराज दिखी कि उसे बच्चों के झगड़े की कोई सूचना नहीं दी गई और उसके बच्चे का सिर के बाल कटवा दिए गए। कहा कि ऐसा कौन सा घिनौना काम उसके बच्चे ने किया था, जिसकी उसे सजा दी गई। वायरल वीडियो में प्रबंधक माफी मांगते भी नजर आ रहे हैं। हमीरपुर जिले में सुमेरपुर कस्बे के एक निजी इंटर कॉलेज में शरारत के बाद बच्चे के बाल कटवाने के बाद महिला ने स्कूल पहुंचकर हंगामा कर दिया। हंगामे के दौरान का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी के साथ वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो सुमेरपुर कस्बे के एक प्राइवेट इंटर कॉलेज के बाहर का है। इसमें एक महिला अपने बच्चे के सिर के बाल दंड स्वरूप कटवाए जाने को लेकर आक्रोश जाहिर करती हुई दिख रही है। दरअसल, महिला का पुत्र इसी कॉलेज की जूनियर कक्षा में पढ़ता है। सहपाठियों के साथ उसका विवाद हुआ, जिसमें छात्रों में आपस में मारपीट हुई। इस घटना में कॉलेज प्रशासन द्वारा महिला के पुत्र के हेयर सैलून की दुकान में ले जाकर बाल कटवा दिए गए। छात्र जब घर पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी मां को दी, तो मां आग–बबूला हो गई।

सामूहिक आत्महत्या मामले में मुकदमा दर्ज

तेलुगू में लिखे ढाई पन्ने के सुसाइड नोट से सामने आई सच्चाई

वाराणसी। आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के धर्मागुड़मू स्ट्रीट, मंडापेटा निवासी कोंडा बाबू (50), पत्नी लावण्या (45) और बेटे राजेश (25) व जयराज (22) के साथ तीन दिसंबर को काशी कैलाश भवन में आए। पूरा परिवार भवन के एस–6 कमरे में था। सात दिसंबर की सुबह उन्हें कमरा खाली करना था और छह दिसंबर को पूरा भुगतान कर दिया गया था।

देवनाथपुरा स्थित आंध्रा आश्रम के काशी कैलाश भवन में आंध्र प्रदेश निवासी दंपती और उनके दो बेटों ने छह लाख रुपये के बदले में 20 लाख मांगे जाने और प्रताड़ित किए जाने के कारण फंदा लगाकर जान दी थी।

दरअसल, दंपती का बड़ा बेटा ऑटोमोबाइल की एक दुकान में काम करता था। उसने दुकान के छह लाख रुपये अपने निजी काम में खर्च कर लिये थे। इसके बदले में दुकान मालिक ने राजेश, उसके भाई और मां–बाप से सादे कागज के साथ ही बांड पर जबरन दस्तखत करा लिये थे।

राजेश ने इंतजाम कर पांच लाख रुपये का भुगतान कर दिया था। मगर, दुकान मालिक का कहना था कि सादे कागज और बांड पर दस्तखत के साथ 20 लाख रुपये उधार लेना लिखा हुआ है। राजेश ने पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो दुकान मालिक का कहना था कि 10 हजार रुपये खर्च कर वह पूरे परिवार को फंसा देगा। इसके बाद दुकान मालिक और उसके दो सहयोगी राजेश और उसके पूरे परिवार को पैसा देने के लिए परेशान करने लगे। इससे परेशान होकर राजेश अपने मां–बाप और भाई के साथ लगभग दो माह पहले घर छोड़कर तमिलनाडु, हरिद्वार और कोलकाता होते हुए काशी आया। पैसा खत्म होने पर दोनों भाइयों और उनके मां–बाप ने तेलुगू में ढाई पन्ने का सुसाइड नोट लिख कर फंदा लगाकर जान दे दी।

पुलिस ने तेलुगू में लिखे सुसाइड नोट का शुक्रवार को बीएचयू के एक अनुवादक की मदद से हिंदी में अनुवाद कराया। इसके बाद आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकाने सहित अन्य आरोपों में देवनाथपुरा चौकी इंचार्ज संजय यादव की तहरीर के आधार पर दशाश्वमेध थाने में आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के मंडापेटा निवासी दुकान मालिक पेंटगतला प्रसाद और उसके दो अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम और अंत्येष्टि के बाद दशाश्वमेध थाने की पुलिस की एक टीम आरोपियों की धरपकड़ के लिए आंध्र प्रदेश जाएगी।

तीन दिसंबर को आए, सात दिसंबर को मिले मृत

आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के धर्मागुड़मू स्ट्रीट, मंडापेटा निवासी कोंडा बाबू (50), पत्नी लावण्या (45) और बेटे राजेश (25) व जयराज (22) के साथ तीन दिसंबर को काशी कैलाश भवन में आए। पूरा परिवार भवन के एस–6 कमरे में था। सात दिसंबर की सुबह उन्हें कमरा खाली करना था और छह दिसंबर को पूरा भुगतान कर दिया गया था। सात दिसंबर की शाम खटखटाने पर भी कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो मैनेजर ने पुलिस को बुलाया। पुलिस दरवाजा तोड़ कर अंदर घुसी तो दंपती और उनके दोनों बेटे फंदा लगाकर जान दे चुके थे।

सुबह नौ बजे के लगभग लगाया था फंदा

पुलिस ने बताया कि फॉरेंसिक टीम से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार आंध्र प्रदेश निवासी दंपती और उनके दोनों बेटों ने बृहस्पतिवार की सुबह लगभग नौ बजे फंदा लगाकर जान दी थी। फिलहाल, चारों का शव मोर्चरी में रखा है और शनिवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बहन–चाचा ने आने में जताई असमर्थता, यहल होगी अंत्येष्टि

पत्नी और दो बेटों के साथ फंदा लगाकर जान देने वाले आंध्र प्रदेश निवासी कोंडा बाबू के परिजन शव लेने और अंत्येष्टि के लिए काशी नहीं आएंगे। एसीपी दशाश्वमेध अवधेश कुमार पांडेय ने बताया कि आंध्र प्रदेश पुलिस के सहयोग से विशाखापट्टनम में रहने वाली कोंडा बाबू की बहन लक्ष्मी से बात हुई। उन्होंने बिलखते हुए कहा कि उनके भाई ने परिवार के साथ जो भी किया वह निहायत ही गलत निर्णय था। फिर, उन्होंने कहा कि वह काशी आने में असमर्थ हैं। उनकी बेटी गर्भवती है और दामाद का एक्सीडेंट हुआ है। आंध्रा आश्रम की मदद से आंध्र प्रदेश के रीति–रिवाज के अनुसार चारों शव की अंत्येष्टि कराई जाएगी।

महिलाओं से तीन गुना ज्यादा पुरुषों ने की आत्महत्या

पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन ने एक जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के बीच कमिश्नरेट के थानों में दर्ज आत्महत्या के प्रकरणों का अध्ययन कराया था। उसके अनुसार वर्ष 2022 में 163 लोगों ने आत्महत्या की थी। इनमें 36 महिलाएं और उनसे तीन गुना ज्यादा यानी 111 पुरुष शामिल थे। इसके अलावा जान देने वाले अन्य लोगों में किशोर और किशोरियां शामिल थे। आत्महत्या की अहम वजह के रूप में पारिवारिक विवाद, प्रेम प्रसंग और आर्थिक तंगी की बात सामने आई थी।

आत्महत्या की घटना में दर्ज की गई 81.1 की बढ़ोतरी

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार वर्ष 2021 में वाराणसी में 90 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा बढ़ कर 163 पहुंच गया। इस तरह से वर्ष 2021 की तुलना में 2022 में आत्महत्या की घटना में 81.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बदला मौसम का मिजाज

दिन में एक डिग्री कम हुआ तापमान...

अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस ।

बढ़ गई ठंड

गोरखपुर। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने 11 व 12 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान जताया है। बारिश के बाद अधिकतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस कम हुआ, लेकिन न्यूनतम तापमान अभी अधिक बना हुआ है। न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। हालांकि मौसम विभाग ने 11 व 12 दिसंबर को न्यूनतम तापमान में 6 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरने का अनुमान लगाया है।

बारिश के बाद मौसम में बदलाव आया था। दोपहर तक बूंदाबांदी के बाद आसमान में बादल छाए रहे लेकिन उसका असर रात में नहीं रहा। शुक्रवार की रात न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। हालांकि शुक्रवार को दिन में भी हवा चलने से ठंड का अहसास होता रहा।

उधर, मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने 11 व 12 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान जताया है हालांकि अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होने की संभावना जताया है।

यूपी पुलिस में भर्ती के लिए सामने आई परीक्षा की तिथि

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने असिस्टेंट ऑपरेटर, हेड ऑपरेटर और वर्कशॉप कर्मचारी भर्ती परीक्षा की तिथि की घोषणा कर दी है।

यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने असिस्टेंट ऑपरेटर, हेड ऑपरेटर और वर्कशॉप कर्मचारी की भर्ती परीक्षा की तिथियों की घोषणा कर दी है। बोर्ड ने आधिकारिक वेबसाइट – नचचइचइ. हवअ.पद पर अधिसूचना जारी कर परीक्षा तिथि के बारे में बताया है। बोर्ड ने कहा है कि अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड सही समय पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

मार्च में हुए थे आवेदन

यूपी पुलिस असिस्टेंट ऑपरेटर, हेड ऑपरेटर और वर्कशॉप कर्मचारी भर्ती के लिए मार्च 2022 में आवेदन मांगे गए थे। बोर्ड ने अधिसूचना में कहा है कि इन तीनों पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा जनवरी, 2024 के आखिरी सप्ताह में होनी संभावित है। इन तीनों तरह की भर्तियों के तहत कुल 2430 रिक्तियों पर भर्ती की जानी है। इनमें से रेडियो संवर्ग में सहायक परिचालक के 1374 पद, प्रधान परिचालक के 936 पद और वर्कशॉप कर्मचारी के 120 पद हैं।

चयन प्रक्रिया

असिस्टेंट और हेड ऑपरेटर की रिक्तियों के लिए उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन लिखित परीक्षा, शारीरिक परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर होगा।

52 हजार कान्स्टेबल और एसआई के पदों पर भर्ती कब?

यूपी पुलिस में कॉन्स्टेबल के 52 हजार से अधिक और सब इंस्पेक्टर के करीब 2500 पदों पर भर्ती होनी है। इसके अलावा, जेल वार्डन के करीब 2800 पदों पर भर्ती होनी है। उम्मीदवार काफी समय से बेसब्री से इस भर्ती के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अभी इस भर्ती से जुड़ी कोई लेटेस्ट अपडेट सामने नहीं आई है, लेकिन जल्द ही आवदेन प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

गोरखपुर में सीएम योगी ने बच्चों को किया दुलार

हेलीकाप्टर संग खिचवाई फोटों तो चेहरों पर आई मुस्कान

गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने बच्चों से की मुलाकात

संवाददाता, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसी किसी कुरीति को नहीं पनपने देंगे जो समाज के विकास में बाधक हो। इसके लिए सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। सामूहिक विवाह योजना उसी का एक हिस्सा है। मुख्यमंत्री शनिवार को महंत दिग्विजयनाथ पार्क में समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1500 जोड़ों के विवाह कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

नव दंपतियों को आशीर्वाद व उपहार देने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि एक साथ 1500 जोड़े गोरखपुर में विवाह बंधन से जुड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम दहेज मुक्त विवाह को प्रेरित करने के लिए डबल इंजन सरकार का प्रयास व कुरीतियों पर प्रहार है। समाज में यह कुरीति बेटी की शादी के पवित्र काम से वंचित कर देती थी। दहेज के अभाव में जिन बालिकाओं पर अत्याचार होता था उसे समाप्त करने की दिशा में यह अभिनव प्रयास है। प्रदेश में 3 लाख परिवारों को इससे जोड़ चुके हैं। 2017 में इस योजना को शुरू किया। शुरू में 31 हजार की राशि निर्धारित थी। जब लगा की यह कम है तो इसे 51 हजार रुपये किया गया। 2022–23 चार हजार 531 जोड़ों का कार्यक्रम गोरखपुर में सम्पन्न किया गया है। जिनकी कन्या हैं उनके लिए कन्यादान एक पुण्य का अवसर है।

सरकार जब संवेदनशील होती है और बिना भेदभाव के काम करती है तो गरीब को लाभ मिलता है। आज यहां मुख्यमंत्री से लेकर विधायक, कर्मचारी अधिकारी एक साथ अतिथियों के स्वागत के लिए तैयार हैं। यहां विवाह बंधन में बंधने वालों को विवाह का प्रमाण पत्र भी दिया जाता है। यह एक दुर्लभ क्षण है। केंद्र व प्रदेश की सरकार बेटी की सुरक्षा के लिए काम कर रही है। कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

एक नया विधेयक पारित किया गया है। आने वाले समय मे संसद व विधानसभा में भी 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। परिसीमन होने के बाद ऐसी सुविधा मिलेगी। प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना लागू की है। 17 लाख बेटियों को योजना से जोड़ा है। ये सभी महिला सशक्तिकरण की दिशा में किये जाने वाले प्रयास हैं। 1 करोड़ 75 लाख उज्ज्वला योजना के लाभार्थी प्रदेश में हैं। दीपावली व होली पर एक एक सिलेंडर मुफ्त दिया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड, घर इसी प्रयास का हिस्सा है।

...और बच्चों को बुलाकर मुख्यमंत्री ने दिखाया हेलीकाप्टर

महंत दिग्विजय नाथ पार्क में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकाप्टर सर्किट हाउस के हेलीपैड पर उतरा तो पास के अंबेडकर पार्क में खेल रहे बच्चे गेट के उसे पर से हेलीकाप्टर देखने लगे। मुख्यमंत्री की नजरें बच्चों पर पड़ीं तो वह उनके पास पहुंच गए। बच्चों को गेट खुलवाकर हेलीपैड पर बुलवाया। उन्हें चाकलेट दी। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ हेलीकाप्टर के पास फोटो भी खिंचवाए।

मेरे तीसरे कार्यकाल में दुनिया की टाप तीन इकानमी में आएगा भारत.. धन्ना सेठों को पीएम ने दिया ये संदेश

देहरादून। उत्तराखंड में निवेश के महाकुंभ का आगाज हो गया है। देहरादून के एफआरआई में दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभारंभ किया। सम्मेलन में देश–दुनिया के 5000 से अधिक निवेशक और प्रतिनिधि शामिल हुए हैं, जिन्हें संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही। उत्तराखंड की खूबियां बताते हुए पीएम मोदी ने निवेशकों को राज्य में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ प्रधानमंत्री ने मंच से अगले आम चुनाव को लेकर भी इशारा कर दिया।

'मोदीजी का स्वागत है'

नई दिल्ली। भाजपा के संसदीय दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल समेत भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद पहुंचे। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की बंपर जीत को लेकर आज पार्टी के सांसदों ने पीएम मोदी का स्वागत किया। भाजपा के संसदीय दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल समेत भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद पहुंचे। इस दौरान जब पीएम मोदी बैठक के लिए पहुंचे तो सांसदों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान सांसदों ने 'मोदीजी का स्वागत है' के नारे भी लगाए।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी का हुआ सम्मान, सांसदों ने तालियां बजाकर किया स्वागत।

आखिर इतनी बर्बरता क्यों?

लखनऊ । फिजियोथेरेपिस्ट पति ने नशीला पदार्थ पिलाकर पत्नी को बेहोश किया। इसके बाद हाथ–पैर बांधकर चाकू से पूरा शरीर छलनी किया था। संध्या की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पति की बर्बरता उजागर हुई है। पूरे शरीर पर 22 जख्म मिले हैं। लखनऊ में फिजियोथेरेपिस्ट आनंदेश्वर अग्रहरि ने पत्नी संध्या साहू पर बर्बरता करने में सारी हदें पार कर दी थीं। नशीला पदार्थ पिलाकर उनको बेहोश किया, हाथ–पैर बांधे और फिर चाकू से पूरे शरीर को छलनी कर दिया। संध्या के शरीर पर 22 गहरे जख्म मिले हैं। शॉक एंड हेमरेज से उनकी मौत हुई। बुधवार को जब शव का पोस्टमार्टम हुआ तब इस बर्बरता का खुलासा हुआ। पीएम रिपोर्ट देकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस क्रूरता से संध्या पर चाकू से वार किए गए। उधर, अब तक आनंदेश्वर पुलिस की पकड़ से दूर है।

फिजियोथेरेपिस्ट आनंदेश्वर ठाकुरगंज के रोशननगर में पत्नी संध्या व दो बेटों तनिष्क और शौर्य के साथ रहता था। तनिष्क मूकबधिर है। आनंदेश्वर घर में संध्या की हत्या कर भाग निकला था। मंगलवार को घर में खून से लथपथ संध्या का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा था। बुधवार को पोस्टमार्टम कराया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गर्दन पर चार पांच वार किए गए। सीने पर चाकू भोंका गया। हाथ, चेहरे और जांघ पर भी चाकू से वार किया गया। करीब 22 गहरे जख्म संध्या के शरीर पर मिले। हाथ पैर बांधे जाने के निशान भी मिले। डॉक्टरों ने विसरा सुरक्षित कर लिया है। आशंका है कि संध्या को मारा पीटा भी गया था। क्योंकि कुछ मारपीट की भी चोटें मिली हैं। संध्या ने बचने के लिए मामूली संघर्ष किया था, इस वजह से उनके हाथों पर जख्म हैं।

आखिर इतनी बर्बरता क्यों?

आरोपी ने गर्दन को रेता नहीं बल्कि सीधे चाकू भोंक दिया। कई वार तो आरपार भी हो गए। पीएम रिपोर्ट को देखकर एक बात तो साफ है कि आनंदेश्वर का मकसद सिर्फ और सिर्फ संध्या की हत्या करना ही था। अब सवाल है कि आखिर उसने इतनी नृशंसता से पत्नी को क्यों मारा? अब जब वह पकड़ा जाएगा तभी यह राज खुलेगा। पुलिस अभी तक उसे पकड़ नहीं सकी है।

मंगलवार को ही की गई थी हत्या

वारदात के बाद एक सबसे अहम सवाल अनसुलझा था कि आखिर हत्या कब की गई। क्योंकि मृतका का बड़ा बेटा सोमवार को हत्या करने को लेकर बता रहा था, जबकि छोटे बेटे ने बताया था कि मंगलवार सुबह पिता उसे स्कूल छोड़ने गए थे। फिर वापस घर छोड़ा था। सुबह करीब 11:30 वह कहीं चले गए थे। इसलिए पुलिस भी समझ नहीं पा रही थी कि आखिर हत्या कब हुई।

दोनों भाइयों में से किसकी बात सही है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह तथ्य स्पष्ट हो गया है। डीसीपी पश्चिम राहुल राज ने बताया कि पीएम रिपोर्ट के मुताबिक वारदात एक दिन पहले मतलब मंगलवार को अंजाम दी गई। इससे ये भी साफ हो गया कि छोटा बेटा सही बता रहा था। चूंकि बड़ा बेटा मूकबधिर है और थोड़ा कम समझता है, इसलिए वह कुछ कंफ्यूज हो गया।

इस पहलू पर तफ्तीश

पुलिस ने आरोपी की लोकेशन व कॉल डिटेल निकाली है। इससे पता चला है कि मंगलवार दोपहर उसने अपना मोबाइल बंद किया था। कॉल डिटेल से पता चला कि वह एक दो महिलाओं से काफी बातचीत करता था। इसलिए पुलिस की जांच इस पहलू पर भी है कि कहीं अन्य महिलाओं से आरोपी के संबंध होने की वजह से पत्नी को तो नहीं मारा। पुलिस ने उन महिलाओं से भी संपर्क किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पैसों के लिए पागल है आनंदेश्वर

आरोपी सट्टा खेलने व शराब का लती है। लाखों रुपये का कर्ज है। पत्नी से भी वह पैसे व जेवरात मांगता था। इसको लेकर विवाद होता था। पिछले महीने उसके बेटे की दिवाई का कार्यक्रम था। इसमें बेटे को पैसे आदि मिले थे। इन्हें भी आनंदेश्वर ने छीन लिए थे।

गोरखपुर विश्वविद्यालयः प्रतिभा को निखार...साक्षात्कार के योग्य करेंगे तैयार

गोरखपुर। डीडीयू कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों का ज्यादा से ज्यादा कैंपस प्लेसमेंट मिल सके इसके लिए उनके व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स के माध्यम से उनको साक्षात्कार के दौरान किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इससे अवगत कराया जाएगा।

नौकरी के लिए छात्रों को साक्षात्कार योग्य बनाने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय व्यक्तित्व विकास कोर्स शुरू करने जा रहा है। इसके माध्यम से विशेषज्ञ छात्रों को साक्षात्कार के दौरान पहनावा, बोलचाल के प्रति जागरूक करेंगे। उनको साक्षात्कार के ध्यान रखने योग्य बातों के साथ सवाल का जवाब देने की वाक पटुता से अवगत कराएंगे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने 22 नवंबर को दीक्षा भवन में अप्रेंटिस फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें साक्षात्कर देने पहुंचे अभ्यर्थियों में बड़े पैमाने पर पर्सनालिटी डेवलपमेंट की कमी दिखी। साक्षात्कार देने पहुंचे अभ्यर्थियों के न तो पहनावे अनुकूल थे और ना ही हाव–भाव। उनमें प्रश्नों का जवाब देने के तौर तरीकों में भी कमी दिखी। इसको देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों के व्यक्तित्व विकास संबंधी कोर्स चलाने का निर्णय लिया।

साक्षात्कार देने कंधे पर गमछा रखकर पहुंचा था अभ्यर्थी

अप्रेंटिस फेयर में कई कंपनियों के प्रतिनिधि साक्षात्कार लेने पहुंचे थे। विभिन्न कंपनियों ने 54 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। हालांकि साक्षात्कार देने पहुंचे कई अभ्यर्थियों के पहनावे व हाव–भाव अनुकूल नहीं थे। एक अभ्यर्थी कंधे पर गमछा रख कर पहुंचा था। जिसको ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने छात्रों के व्यक्तित्व विकास संबंधी कोर्स चलाने का निर्णय लिया।

प्रोफेशनल कोर्स के छात्रों को किया जाएगा प्रशिक्षित

पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर प्रोफेशनल कोर्स बीटेक, होटल मैनेजमेंट, एमबीए, बीबीए आदि कोर्स के अंतिम वर्ष के छात्रों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा परंपरागत कुछ कोर्स के छात्रों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। डीडीयू कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों का ज्यादा से ज्यादा कैंपस प्लेसमेंट मिल सके इसके लिए उनके व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स के माध्यम से उनको साक्षात्कार के दौरान किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इससे अवगत कराया जाएगा।

होटल, रिजॉर्ट व मैरेज हाल संचालकों को खुद करना होगा कूड़े का निस्तारण

गोरखपुर। शहर की बेहतर सफाई व्यवस्था और कूड़े के बेहतर ढंग से निस्तारण के लिए नगर निगम ने कई प्रावधान किए हैं। इसी क्रम में यह भी प्रावधान किया गया है कि किसी पंजीकृत एजेंसी के माध्यम से कचरे का निस्तारण करा सकते हैं। अपंजीकृत एजेंसी के माध्यम से कचरा निस्तारण कराने पर दोनों पक्षों पर जुर्माना लगाया जाएगा। होटल, रिजार्ट और मैरेज हाल से मांगलिक आयोजनों के दौरान निकलने वाले गीले–सूखे कचरे का निस्तारण उनके संचालकों को ही करना होगा। इसके लिए उनको अपने परिसर में ही निपटान की व्यवस्था करनी होगी। जिन संचालकों ने अभी व्यवस्था नहीं की है, वे यूजर चार्ज देकर नगर निगम के माध्यम से कचरे का निस्तारण करा सकते हैं। बेहतर सफाई व्यवस्था और कूड़े के बेहतर ढंग से निस्तारण के लिए नगर निगम ने कई प्रावधान किए हैं। इसी क्रम में यह भी प्रावधान किया गया है कि किसी पंजीकृत एजेंसी के माध्यम से कचरे का निस्तारण करा सकते हैं। अपंजीकृत एजेंसी के माध्यम से कचरा निस्तारण कराने पर दोनों पक्षों पर जुर्माना लगाया जाएगा। यदि गीले कचरे में पके हुए भोजन की मात्रा अधिक है तो फेंकने के बजाय निकटतम गौशालाओं पर उपलब्ध करा सकते हैं। इसके लिए सफाई निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में सभी बड़ी मात्रा में कूड़ा उत्पन्न करने वाले (बल्क वेस्ट जेनरेटर्स) से संपर्क कर कचरे का उचित निस्तारण कराते हुए यूजर चार्ज वसूलें। अगर कोई संचालक सहयोग नहीं कर रहा है, कचरा सड़क पर फेंका जा रहा है या अंपजीकृत एजेंसी को कचरा दिया जा रहा है तो भारी जुर्माना लगाया जाए और अंपजीकृत एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करें। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने कहा कि वैवाहिक स्थल के प्रबंधक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का सख्ती से पालन करें। पकड़े जाने पर वैधानिक कार्यवाही के साथ भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा।

गोरखपुर महोत्सव के लिए बालीवुड कलाकारों के नाम को लेकर किया मंथन, आ सकते हैं बड़े स्टार

गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव–2024 को लेकर तैयारी तेज हो गई हैं। इस बार भी महोत्सव 11, 12 और 13 जनवरी को आयोजित होगा। रामगढ़ताल किनारे चंपा देवी पार्क और नुमाइश ग्राउंड में आयोजित होने वाले महोत्सव में कला, संस्कृति और खेल का संगम दिखाई देगा। गोरखपुर महोत्सव में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम बालीवुड नाईट के लिए कलाकारों के नाम को लेकर मंथन चल रहा है। जिन नामों पर मंथन चल रहा है उनमें बी प्राक, श्रेया घोषाल और जुबिन नौटियाल प्रमुख हैं। सब कुछ ठीक रहा तो अगले सप्ताह तक इन कलाकारों में से किसी एक के नाम पर मुहर लग सकती है।

गोरखपुर महोत्सव–2024 को लेकर तैयारी तेज हो गई हैं। इस बार भी महोत्सव 11, 12 और 13 जनवरी को आयोजित होगा। रामगढ़ताल किनारे चंपा देवी पार्क और नुमाइश ग्राउंड में आयोजित होने वाले महोत्सव में कला, संस्कृति और खेल का संगम दिखाई देगा। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, खिलाड़ियों और विद्यार्थियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया जाएगा। एक ओर जहां बालीवुड के कलाकार महोत्सव की शाम को रंगीन करेंगे तो वहीं भोजपुरी कलाकार भी महोत्सव के मंच की शोभा बढ़ाएंगे। इसके लिए कलाकारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है।

शाह रुख खान अपने पूरे परिवार के साथ बेटी को चीयर करने पहुंचे थे। बता दें लकग खान अपनी लाडली से बेहद प्यार करते हैं। कई इंटरव्यू में उन्होंने सुहाना के जिक्र भी किया हुआ है। इस बीच अब उनका एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमे उन्होंने बेटी सुहाना को लेकर अपनी एक इच्छा जाहिर की थी।

दो पत्ती शेड्यूल पूरा करने के बाद मनाली की खूबसूरती देखने निकली कृति, पोस्ट साझा कर कही यह बात

एंटरटेनमेंट डेस्क। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित टैलेंटेड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री इन दिनों मनाली में अपनी आने वाली फिल्म 'दो पत्ती' के शूटिंग में व्यस्त हैं। 'दो पत्ती' कृति सेनन की प्रोडक्शन हाउस 'ब्लू बटरफ्लाई' की पहली प्रोजेक्ट है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित टैलेंटेड अभिनेत्री कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री इन दिनों मनाली में अपनी आने वाली फिल्म 'दो पत्ती' के शूटिंग में व्यस्त हैं। 'दो पत्ती' कृति सेनन की प्रोडक्शन हाउस 'ब्लू बटरफ्लाई' की पहली प्रोजेक्ट है। इस साल की शुरुआत में कृति ने अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया था, जिसे लेकर वो चर्चा में आई थीं। उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस के लॉन्च के दौरान ही कहा था कि वे दर्शकों के लिए अलग और मनोरंजक किस्म की फिल्में बनाना चाहती हैं। अब कृति न सिर्फ परदे पर बल्कि परदे के पीछे भी अपने टैलेंट का जलवा बिखेरेंगी।

कृति ने दिखाई मनाली की खूबसूरती

अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से अपनी आने वाली फिल्म 'दो पत्ती' के एक शेड्यूल के शूट को पूरा करने की जानकारी साझा की। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस के साथ मनाली से जुड़ी कई सारी फोटो साझा की। मनाली की खूबसूरती से कायल हो कर कृति ने लिखा कि, मनाली तुम खूबसूरत हो।' उन तस्वीरों में कृति की खुशी साफ–साफ देखी जा सकती है।

अभिनेत्री के लिए क्यों खास रहा यह साल ?

बता दें कि यह साल अभिनेत्री कृति सेनन के लिए काफी खास रहा है। इस साल न सिर्फ कृति ने अपना प्रोडक्शन हाउस लांच किया बल्कि उन्होंने खुद का ब्यूटी ब्रांड 'हाइफन' भी लांच किया है। यह ब्यूटी ब्रांड स्किन–केयर प्रोडक्ट्स बनाएगी और इस ब्रांड के सारे प्रोडक्ट्स भी इको – फ्रेंडली होंगे। ऐसा कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपने जन्मदिन पर अपने फैंस को ब्यूटी ब्रांड से जुड़ी यह अहम जानकारी दी थी।

इस फिल्म में आएंगी नजर

अब देखना दिलचस्प होगा कि कैसे कृति एक अभिनेत्री, प्रोड्यूसर और बिजनेस वुमेन की भूमिका निभाएंगी। कृति सेनन के वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के पिछली बार फिल्म गणपत में टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करते हुए देखा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम बुलंद करने में असफल साबित रही। अब देखना है कि फिल्म दो पत्ती से अभिनेत्री फैंस के बीच क्या कमाल करती हैं।

भंसाली के गले में जब अटकी थी हड्डी

सुखदेव लसह गोगामेड़ी ने दी थी खुलेआम धमकी, कहा था- 'हम हथियारों से...

दिल्ली। देशभर में यदि कोई मर्डर केस अभी चर्चा काई विषय है तो वह है सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड. राजपूत करणी सेना प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की 5 दिसम्बर, मंगलवार दोपहर जयपुर में गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई. इस मर्डर के बाद से पूरा राजस्थान जलना शुरू हो गया है और जगह–जगह विरोध प्रदर्शन चल रहा है. राजनीतिक और आपराधिक खबरों से इतर एक और वजह से गोगामेड़ी चर्चा का विषय बने हुए हैं और वह है संजय लीला भंसाली को धमकी देने को लेकर. दरअसल, जब राजस्थान में फिल्म 'पद्मावत' का विरोध प्रदर्शन चल रहा था तो इसमें प्रमुखता से सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने हिस्सा लिया था. या यूं कह सकते हैं कि यही एक ऐसा मौका था जब गोगामेड़ी देशभर में करणी सेना का चेहरा बनकर उभरे थे.

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पद्मावत' 25 जनवरी 2018 को रिलीज हुई थी. इस फिल्म के कंटेंट को लेकर राजस्थान में विरोध प्रदर्शन हुआ था और इसके बाद फिल्म का नाम 'पद्मावती' से बदलक 'पद्मावत' कर दिया गया था. दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का जयपुर में इतना विरोध हुआ था कि संजय लीला भंसाली के साथ मारपीट तक हो गई थी. जयपुर में हुए इस विरोध प्रदर्शन में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी प्रमुखता से सामने आए थे.

'भंसालीजी हम हथियारों से नहीं डरते'

जयपुर में 'पद्मावत' के विरोध प्रदर्शन के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने संजय लीला भंसाली को साफ तौर पर चेतावनी दी थी. सुखदेव सिंह ने कहा था, 'भंसालीजी जब आप जयपुर आए थे तो आपके गनमैंस ने हमारे लड़कों पर फायर किया था. बदले में आपने थप्पड़ खाए थे।

हम रायफलों, पिस्टलों से नहीं डरते, खाली हाथ थे हमारे लड़के तो आगे से आप संभलकर रहो. इस देश को आईएसआई और दाउद के इशारे पर मत बेचो वरना, अब की बार उससे से भी बुरा करेंगे हम.' उन्होंने यह भी कहा था, 'करोड़ों लोगों की भावनाओं को दरकिनार करते हुए सिर्फ एक भंसाली को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा क्यों हो रहा है.?

'ये सिर्फ घर तोड़ना जानता है',
सना ने अंकिता के पति विक्की जैन पर लगाया ये बड़ा
इल्जाम

बिग बास 17 में सना रास खान का विक्की जैन से फिर हुआ झगड़ा सना ने अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन पर लगाया ये इल्जाम

बिगबॉस–17 सलमान खान के शो बिग बास सीजन 17 में एक के बाद एक ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। इस शो में कब किस सदस्य के किसके साथ रिश्ते बदल रहे हैं ये दर्शकों के लिए भी समझना बेहद ही मुश्किल हो रहा है। अब हाल ही में अंकिता–विक्की की लड़ाई के बाद सना रास खान ने पवित्र रिश्ता एक्ट्रेस के पति पर ये इल्जाम लगाया।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। सलमान खान के विवादित शो बिग बॉस 17 में कब कौन सा ट्विस्ट आ जाए, इस बात का अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। इस शो में कंटेस्टेंट के आपसी रिश्ते गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हैं। कभी सना रईस खान और विक्की जैन की शो में दोस्ती देखने को मिल रही है, तो कभी दुश्मनी।

दोनों की ये दोस्ती अब फैंस को भी कंफ्यूज कर चुकी है। हाल ही में बीते एपिसोड में सना ने घर के कामों से बचने के लिए आधा राशन गंवा दिया था, जिसके बाद हर सदस्य का उन पर गुस्सा फूटा। अब हाल ही में सना रईस खान का एक बार फिर से विक्की जैन पर गुस्सा फूटा, जिसके बाद उन्होंने अंकिता लोखंडे के पति को घर तोड़ने वाला बता दिया।

विक्की जैन पर सना ने लगाया ये इल्जाम

बिग बॉस 17 में सना रईस खान ने हाल ही में जब राशन के बदले घर के कामों से छुट्टी मांगी, तो बिग बॉस ने खुशी–खुशी उन्हें फ्री तो कर दिया, लेकिन उन्होंने ऐसी चिंगारी भड़काई, जिसके बाद घरवाले उन पर भड़क गए। मुनव्वर से लेकर अंकिता लोखंडे और अरुण माशेट्टी ने जब सना को सुनाया, तो उस वक्त विक्की हंसते हुए नजर आए। खुद को अपना दोस्त बताने वाले विक्की को जब इस तरह से सना ने हंसते देखा, तो वह खुद का गुस्सा काबू नहीं कर सकीं और उन्होंने विक्की को 'होम ब्रेकर' का टैग दे दिया। सना ने कहा,"ये होम ब्रेकर है। ये घर तोड़ने वालों में से हैं। ये मकान तोड़ने वालों में से है"। सना की इस बात को सुनकर अंकिता लोखंडे खुद का गुस्सा नहीं काबू कर सकी और उन्होंने वकील साहिबा को खरी–खोटी सुना डाली।

बिग बास में विक्की जैन ने पत्नी को ही दिया धोखा

विक्की जैन और अंकिता लोखंडे बिग बॉस 17 में दूसरों के साथ गेम खेलने से ज्यादा एक–दूसरे पर ही निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच सलमान खान के शो में काफी झगड़े देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में एक प्रोमो में सामने आया कि जब बिग बॉस ने अंकिता को दिल के मकान में शिफ्ट होने के लिए विक्की जैन को पूरे सीजन के लिए नॉमिनेट करने के लिए कहा, तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया, लेकिन जब विक्की की बारी आई, तो उन्होंने दिल की ना सुनकर अपने दिमाग की सुनी और नील भट्ट की जगह अपनी पत्नी अंकिता लोखंडे को ही पूरे सीजन के लिए नॉमिनेट कर दिया।

क्या सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों का रिकार्ड तोड़ पाएंगे कोहली

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने विराट कोहली पर एक बयान दिया
लारा ने कोहली के 100 शतकों का आंकड़ा पार करने को मुश्किल बताया
लारा ने कहा कि क्रिकेट के तर्क के हिसाब से तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ना आसान नहीं होगा

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। ठतपंद स्तं वद टपतंज ज्ञवीसप 100 बमदजनतपमे तमबवतक इतमाः भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बीच हमेशा से ही कॉम्पिटिशन किया जाता रहा है।

लारा का बड़ा बयान-

हाल ही में विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर"बीपद ज्मदकनसांत के वनडे में 49 शतकों को पीछे छोड़ते हुए अपना 50वां वनडे ऐतिहासिक शतक जमाया। ऐसे में अब विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेंदुलकर के 100 शतकों की बराबरी को लेकर वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने एक टिप्पणी की है।

कोहली के लिए नहीं होगा आसान-

दरअसल साल 2024 में भारत को केवल पांच वनडे मैच खेलने हैं और टी20ि में कोहली के खेलने को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है।

अब ऐसे में अगर कोहली को तेंदुलकर के 100 शतक की बराबरी करनी है तो उन्हें अगले 4 सालों तक लगातार पांच शतक लगाना आसान नहीं होगा। ऐसे में विराट कोहली की बल्लेबाजी के बड़े फैन होने

के कारण ब्रायन लारा ने आनंदबाजार पत्रिका से बात करते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कोहली तेंदुलकर के 100 शतकों की बराबरी से 20 कदम दूर हैं, जो काफी मुश्किल है।

100 शतक का आंकड़ा मुश्किल-

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ने कहा कि क्रिकेट के नजरिए से यह ठीक नहीं लगता। उन्होंने कहा "कोहली अभी 20 शतक दूर हैं। अधिकांश क्रिकेटर अपने पूरे करियर में इतने शतक नहीं जड़ पाते हैं। उन्होंने कहा कि उम्र किसी के लिए नहीं रुकती। कोहली कई और रिकॉर्ड तोड़ेंगे, लेकिन 100 शतक सबसे मुश्किल लगता है।"

कोहली के बड़े फैन हैं लारा-

हालांकि लारा मे यह भी कहा कि अगर कोई 100 शतकों के करीब आ सकता है तो वह कोहली ही हैं। मैं उनके अनुशासन और समर्पण का बहुत बड़ा फैन हूं।

जिस तरह से वह अपना सब छोड़कर मैच की तैयारी करते हैं कोई कैसे उनका फैन नहीं होगा। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। अगर वह तेंदुलकर की तरह 100 शतक बना सके तो मुझे बहुत खुशी होगी। सचिन मेरे प्रिय मित्र थे और जैसा कि मैंने पहले कहा, मैं कोहली का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।"

बोले- मेरे लिए सबसे आसान विकेट था विराट, फैंस के रिएक्शंस ने उड़ा दिए पूर्व तेज गेंदबाज के होश

एक बार फिर से मिचेल जानसन अपनी एक प्रतिक्रिया की वजह से ट्रोलर्स के निशान पर आ गए हैं। इस बार उन्होंने भारतीय स्टार विराट कोहली को लेकर एक प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर की जिसमें एक फैन ने कमेंट कर पूछा कि विराट आप के सबसे फेवरेट बश्वलर है। इस पर जानसन ने जो लिखा उसका ट्वीट वायरल हो गया है।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन हालिया दिनों में डेविड वॉर्नर को लेकर दिए गए बयान की वजह से चर्चा का विषय बने हुए हैं। डेविड वॉर्नर को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में शामिल करने पर मिचेल ने सवाल उठाया था और वॉर्नर की विदाई सीरीज को लेकर कहा था कि उन्हें क्यों महत्व दिया जा रहा है।

इसके बाद एक बार फिर से मिचेल जॉनसन अपनी एक प्रतिक्रिया की वजह से ट्रोलर्स के निशान पर आ गए हैं। इस बार उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली को लेकर एक प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक फैन ने कमेंट कर पूछा कि विराट आप के सबसे फेवरेट बॉलर है। इस पर मिचेल जॉनसन ने लिखा कि विराट कोहली को आउट करना मेरे लिए सबसे आसान रहा था।

दरअसल, भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पेसर मिचेल जॉनसन ने कहा कि विराट को आउट करना उनके लिए सबसे आसान था। जॉनसन ने ये प्रतिक्रिया एक फैन द्वारा इंस्टाग्राम पर पूछे सवाल पर दी। बता दें कि साल 2014 से विराट और मिचेल के बीच राइवलरी देखने को मिली, जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलते हुए भारतीय टीम के स्टार विराट मिचेल पर हावी नजर आए थे। मैच के बीच विराट ने मिचेल की गेंद पर शॉट खेला था, लेकिन जॉनसन ने उन्हें खुद की गेंद पर आउट कर लिया था।

वहीं, इस पूरी सीरीज के दौरान कोहली और जॉनसन के बीच जबरदस्त बैटल देखने को मिली। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ने चार टेस्ट मैचों में कोहली को 157 गेंदें फेंकी और तीन बार उन्हें आउट करते हुए 145 रन लुटाए थे। हालांकि, कुछ महीने बाद जॉनसन ने वनडे विश्व कप 2015 के सबसे महत्वपूर्ण सेमीफाइनल में भारतीय बल्लेबाजी स्टार कोहली को सिर्फ 1 रन पर आउट किया था।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जाएंट्स के बीच मैच के दौरान दोनों की भिड़ंत हुई। श्रीसंत की गेंद पर गंभीर ने कुछ चौके लगाए तो तेज गेंदबाज ने उन्हें घूर कर देखा था। इस पर दोनों के बीच शब्दों के आदान-प्रदान हुए। ओवरों के बीच ब्रेक के दौरान दोनों एकदूसरे के करीब भी पहुंच गए थे। हालांकि, साथी खिलाड़ियों ने बीच बचाव करते हुए दोनों को अलग कर दिया था। मैच के बाद श्रीसंत ने गौतम पर गंभीर आरोप लगाए थे। अब गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है।

'सब ध्यान खीचने के लिए...

लड़ाई के बाद गौतम का पोस्ट श्रीसंत ने लगाए थे 'गंभीर' आरोप

दिल्ली। गंभीर ने गुरुवार को सुबह साढ़े 11 बजे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट किया, जिसमें वह टीम इंडिया की जर्सी में हैं और मुस्कुरा रहे हैं। इसे श्रीसंत को जवाब माना जा रहा है। आइए जानते हैं... भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर और श्रीसंत बुधवार को लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के एलिमिनेटर मैच के दौरान भिड़ गए। इनकी लड़ाई का वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जाएंट्स के बीच मैच के दौरान दोनों की भिड़ंत हुई। श्रीसंत की गेंद पर गंभीर ने कुछ चौके लगाए तो तेज गेंदबाज ने उन्हें घूर कर देखा था। इस पर दोनों के बीच शब्दों के आदान–प्रदान हुए। ओवरों के बीच ब्रेक के दौरान दोनों एकदूसरे के करीब भी पहुंच गए थे। हालांकि, साथी खिलाड़ियों ने बीच बचाव करते हुए दोनों को अलग कर दिया था। मैच के बाद श्रीसंत ने गौतम पर गंभीर आरोप लगाए थे। अब गंभीर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन इसे श्रीसंत को जवाब माना जा रहा है। गंभीर ने गुरुवार को सुबह साढ़े 11 बजे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट किया, जिसमें वह टीम इंडिया की जर्सी में हैं और मुस्कुरा रहे हैं। यह उन दिनों की तस्वीर है जब गंभीर भारतीय टीम में खेल रहे थे। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा– मुस्कुराइए! जब दुनिया में लोग सिर्फ ध्यान खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रीसंत ने गंभीर पर लगाए बड़े आरोप

श्रीसंत इस वीडियो में यह कहते हुए सुनाई पड़ रहे हैं– मिस्टर फाइटर के साथ जो कुछ हुआ, उसके बारे में मैं कुछ स्पष्ट करना चाहता था। मिस्टर फाइटर बिना किसी कारण के अपने सभी साथियों से लड़ता है। वह वीरू भाई (वीरेंद्र सहवाग) समेत अपने सीनियर खिलाड़ियों और कई लोगों का सम्मान भी नहीं करते। ठीक ऐसा ही हुआ। बिना किसी उकसावे के वह मुझे कुछ ऐसा कहते रहे जो बहुत असभ्य है। यह बात गौतम गंभीर को कभी नहीं कहनी चाहिए थी।

'गंभीर ने मुझे-मेरे परिवार को आहत किया'

श्रीसंत ने कहा कि वह खुलासा करेंगे कि गंभीर ने मैच के दौरान उनसे क्या कहा था। उन्होंने कहा कि शब्दों ने उन्हें और उनके परिवार को आहत किया है। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'मेरी कोई गलती नहीं है। देर–सबेर आपको पता चल जाएगा कि उन्होंने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया और जो चीजें उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर कही, वे स्वीकार्य नहीं हैं। मैंने अपने परिवार के साथ बहुत कुछ झेला है। मैंने आपके समर्थन से अकेले वह लड़ाई लड़ी है। अब कुछ लोग मुझे बिना किसी कारण के नीचा दिखाना चाहते हैं। उन्होंने ऐसी बातें कहीं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए थी।

गंभीर पर तंज कसने के लिए श्रीसंत ने विराट का नाम लिया

इस तेज गेंदबाज ने गंभीर पर हमला जारी रखते हुए कहा कि वह अपने सीनियर्स के साथ–साथ सहकर्मियों का भी सम्मान नहीं करते। श्रीसंत ने कहा कि अगर आप अपने ही साथियों का सम्मान नहीं करते हैं तो टीम का प्रतिनिधित्व करने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा, 'अगर आप अपने ही सहयोगियों का सम्मान नहीं करते तो टीम या लोगों का प्रतिनिधित्व करने का क्या मतलब है। किसी इंटरव्यू में जब उनसे विराट (कोहली) के बारे में पूछा जाता है, तो वह कभी नहीं बोलते, वह कुछ और बोलते हैं। मैं इससे अधिक विस्तार में नहीं जाना चाहता। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मैं बहुत आहत हूं। मेरा परिवार आहत है। मैंने बुरे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है।' गंभीर और श्रीसंत 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप में विजेता भारतीय टीम का हिस्सा थे।